



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 272]
No. 272]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, दिसम्बर 9, 1999/अग्रहायण 18, 1921
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 9, 1999/AGRAHAYANA 18, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1999

विषय : भारत में रूस, चीन तथा यूक्रेन से सीमलैस ग्रेड के बिलेट, बार, राउंड के आयात के संबंध में पाटन रोधी जांच शुरू करना ।

फा. सं. 31/1/99-डी जी ए डी.—मैसर्स इस्पात प्रोफाइल इंडिया लि. ने सीमा टैरिफ अधिनियम, 1995 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष याचिका दायर की है जिसमें रूस, चीन तथा यूक्रेन से सीमलैस ग्रेड अलाय तथा गैर-अलाय स्टील बिलेट, बार तथा राउंड के पाटन का आरोप लगाया गया है तथा पाटनरोधी जांच करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है ।

1. स्थिति: मै0 इस्पात प्रोफाइल इंडिया लि0 द्वारा दायर की गई याचिका का मै0 इंडिया सीमलैस स्टील एंड अलाय लि0 (आई एस एस ए एल) द्वारा समर्थन किया गया है । पाटनरोधी नियमों के नियम 5(3) के अनुसार समर्थकों के साथ याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन करने की अपेक्षा को पूरा करता है ।

2. शामिल उत्पाद: इस जांच में शामिल उत्पाद रूस, चीन तथा यूक्रेन मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस ग्रेड के अलाय तथा गैर अलाय स्टील के कुछ बिलेट्स, बार और राउंड है । यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष सं0 7206.90, 7207.19 तथा 7207.20 के अंतर्गत आता है । तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है तथा यह वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है । याचिकाकर्ताओं ने अलाय तथा गैर-अलाय स्टील के बिलेट्स, बार और राउंड के केवल निम्नलिखित ग्रेडों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की मांग की है:

क्रम सं०	आई एस विनिर्देशन	सदृश अन्तर्राष्ट्रीय विनिर्देशन
1	आई एस 1875, सी एल 1 (गैर-अलाय स्टील)	ए एस टी एम, 192, ए पी 15 एल ग्रेड 42 बी 5305 पी टी-2 जी आर 243, डी आई एन, सी के 15
2	आई एस 1875, सी एल 1 ए (गैर अलाय स्टील)	एस ए ई 1018, ए एस टी एम ए 333
3	आई एस 1875, सी एल 2 (गैर-अलाय स्टील)	एस ए 1026
4	आई एस 1875, सी एल 2 ए (गैर-अलाय स्टील)	ए एस टी एम, एस ए 210, ए पी 1 एस एल जी आर बी ए पी आई एस एल जी आर एक्स 46, ए पी आई एस एल एक्स 46
5	आई एस 1875, सी एल 3 (गैर अलाय स्टील)	ए एस टी एम, एस ए 210 जी आर सी, एस ए ई 1030
6	आई एस 1875, सी एल 3 ए (गैर अलाय स्टील)	एस ए ई 140, एस ए ई 1035
7	आई एस 1875, सी एल 4 (गैर-अलाय स्टील)	बी एस, ई एन 8 डी
8	आई एस 1875, सी एल 5 (गैर-अलाय स्टील)	एस ए ई 1050
9	आई एस 5517, 27 सी 15 (गैर-अलाय स्टील)	एस ए ई 1530
10	आई एस 517, 37 सी 15 (गैर-अलाय स्टील)	बी एस, ई एन 15, एस ए ई 1541
11	आई एस 4432, 10 सी 4 (गैर अलाय स्टील)	ए एस टी एम, एस ए 179, एस ए ई 1010 एस ए ई 1008
12	आई एस 4368, 20 एम एन 2 (गैर-अलाय स्टील)	डी आई एन 2391 एस टी 52, एस ए ई 1518
13	आई एस 5517, 35 एम एन 6 एम 03 (गैर अलाय स्टील)	ए पी आई एन 80, एस ए ई 4042
14	समान आई एस उपलब्ध नहीं (अलाय स्टील)	एस ए ई 4130
15	समान आई एस उपलब्ध नहीं (अलाय स्टील)	एस ए ई 4118 (निकटतम)

	(अलाय स्टील)	
16	समान आई एस उपलब्ध नहीं	बी एस 3602 पी टी 1500 एन बी
	(अलाय स्टील)	(माइक्रोएल्लोयड स्टील)
17	समान आई एस उपलब्ध नहीं	बी एस 3059 पी टी 11 जी आर 440
	(गैर-अलाय स्टील)	
18	समान आई एस उपलब्ध नहीं	एस ए ई 1518
	(गैर-अलाय स्टील)	
19	आई एस 4398, 103सी आर 2,	एस ए ई 52100
	(अलाय स्टील)	

उपरोक्त प्रकार के अलाय तथा गैर-अलाय स्टील के बिलेट्स, बार तथा राउंड का भारत में उत्पादन किया गया है और/अथवा उनका संबद्ध देशों से आयात किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उपरोक्त प्रकार के अलाय तथा गैर अलाय स्टील के बिलेट्स बार तथा राउंडों का उपयोग सीमलैस ट्यूब उद्योग द्वारा सीमलैस ट्यूबों के उत्पादन में किया जाता जा सकता है तथा इन्हें तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से एक दूसरे के स्थान पर इस्तोमाल किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उपरोक्त सभीप्रकार की वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अपेक्षित है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह शुल्क कारगर है तथा आयातकों द्वारा इसमें धोखा धड़ी नहीं की गई है।

3. **शामिल देश:** वर्तमान याचिका में शामिल देश रूस, चीन जनवादी गणराज्य तथा यूक्रेन हैं।

4. **समान वस्तुएँ:** याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की विशेषताएं संबद्ध देशों से आयात की जा रही वस्तुओं से काफी मिलती जुलती हैं। वास्तव में, याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं तथा संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं को उपभोक्ताओं द्वारा तय किए गए कुछ विशिष्ट तकनीकी विनिर्देशनों के अनुरूप होना होता है और वास्तव में इन वस्तुओं का स्वरूप एक समान है। नियमों के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित तथा बेची गई वस्तुओं को संबद्ध देशों से आयात की जा रही वस्तुओं के समान वस्तु माना जाए।

5 पाटन तथा पाटन मार्जिन :

क **सामान्य मूल्य:** याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों में ^{संबद्ध} वस्तुओं के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का दावा किया है। याचिकाकर्ताओं ने परिकलित लागत के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की मानक लागत को आधार बनाया है।

ब निर्यात कीमत: संबद्ध वस्तुओं का सीमाशुल्क वर्गीकरण संबद्ध वस्तुओं के लिए नहीं है और इसलिए डी जी सी आई एंड एस द्वारा संकलित आयात आंकड़ों का निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु सहारा नहीं लिया गया है। याचिकाकर्ता ने किसी द्वितीयक स्रोत द्वारा सूचित की गई कीमतों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है जो कि जर्नल स्टील ट्रेड इंटेलिजेस है। उन्होंने उन सीमाशुल्क उप-शीर्षों के अंतर्गत किए गए सभी आयातों का ब्यौरा उपलब्ध करवाया है जिनके अंतर्गत संबद्ध वस्तुओं का आयात किया गया है जिससे यह पता चलता है कि इन उपशीर्षों के अंतर्गत भिन्न-भिन्न प्रकार के अनेक ग्रुपों का आयात किया गया है आगे यह भी दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तुओं का आयात सीमलैस ट्यूब के उत्पादकों द्वारा किया जाता है। इन आंकड़ों में प्रदर्शित आयातक के नाम के आधार पर आयात सौदों की पहचान की गयी है। संबद्ध देशों से संगत वस्तुओं के हुए निर्यात की कीमत के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्टता साक्ष्य उपलब्ध है।

ग इस बात के प्रथम दृष्टता पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों में विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य उस मूल्य से कसफी अधिक है जिस पर इसे भारत को निर्यात किया गया है। इस बात से प्रथम दृष्टता संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

6 क्षति एवं कारणात्मक संबंध: आयातों की मात्रा बाजार हिस्सा उत्पादन, बिक्री, बाजार हिस्सा लाभ/घाटा इत्यादि जैसे घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेतक सामूहिक और संघयी रूप से यह दर्शाते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

7 पाटनरोधी जांच का आरंभ: अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटन रोधी जांच आरंभ करने का निर्णय लिया है।

8 जांच की अवधि: वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 जनवरी, 1999 से 30 सितम्बर, 1999 तक के बीच की है।

9 सूचना का प्रस्तुतीकरण: संबद्ध देशों के निर्यातकों और संबंधित समझे जाने वाले भारत के आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी, भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क निदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को निर्धारित स्वरूप में तथा निर्धारित ढंग से सगत सूचना भेजे और अपने विचारों से अवगत कराएं कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर निर्धारित स्वरूप में और निर्धारित ढंग से जांच से संबंधित अनुरोध कर सकती है।

10 **समय सीमा:** वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए। तथापि जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी।

11 **सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:** नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है। जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

यदि कोई हितबद्ध पार्टी आवश्यक सूचना जुटाने से मना करती है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराती है या महत्वपूर्ण ढंग से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकता है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th December, 1999

Subject : Initiation of anti-dumping investigation against import into India of certain seamless grade alloy & non-alloy steel billets, bars and rounds from Russia, China and Ukraine.

F. No. 31/1/99-DGAD.—M/s. Ispat Profile India Ltd. has filed a petition on behalf of domestic industry in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of certain seamless grade alloy & non-alloy steel billets, bars and rounds from Russia, China and Ukraine and requested for anti-dumping investigations and imposition of anti-dumping duties.

1. **Standing:** The petition filed by M/s Ispat Profile India Ltd. is supported by M/S Indian Seamless Steels and Alloys Ltd. (ISSAL). The petitioner alongwith supporter satisfy the requirement to make the application on behalf of the domestic industry as per Rule 5[3] of Anti Dumping Rules.
2. **Product Involved:** The product involved in the investigation is certain seamless grade alloy and non-alloy steel billets, bars and rounds originating in or exported from Russia, China and Ukraine. The product falls under custom subheading nos. 7206.90, 7207.19 & 7207.20 of Customs Tariff Act, 1975. However custom classification is indicative only and not binding on the scope of this investigation. The petitioners have sought imposition of anti-dumping duty only on the following grades of alloy and non-alloy steel billets, bars and rounds:

S.No.	I.S. SPECIFICATIONS	EQUIVALENT INTERNATIONAL SPECIFICATION
1	I.S. 1875,CL1	ASTM, SA192, AP15L Gr X 42
	(NON-ALLOY STEEL)	B53059PT – 2Gr 243, DIN, CK 15
2	I.S 1875, CL1A	SAE 1018, ASTMA 333
	(NON-ALLOY STEEL)	
3	I.S 1875, CL 2	SA 1026
	(NON-ALLOY STEEL)	
4.	I.S 1875, CL2A	ASTM, SA210A1,AP1 SLGrB
	(NON-ALLOY STEEL)	APISLGr X 46, APISL X –46
5	I.S. 1875, CL3	ASTM,SA210GrC, SAE1030
	(NON-ALLOY STEEL)	
6.	I.S 1875,CL3A	SAE140,SAE1035
	(NON-ALLOY STEEL)	
7.	I.S 1875,CL4	BS,En 8D.
	(Non-ALLOY STEEL)	
8.	I.S 1875,CL5	SAE 1050
	(NON-ALLOY STEEL)	
9.	I.S 5517, 27C15	SAE 1530
	(NON-ALLOY STEEL)	
10.	I.S 517,37C15	BS, En15, SAE 1541
	(NON-ALLOY STEEL)	
11.	I.S 4432, 10C4	ASTM, SA 179, SAE 1010
	(NON-ALLOY STEEL)	SAE 1008
12.	I.S 4368, 20Mn2	DIN 2391 st 52, SAE 1518
	(NON-ALLOY STEEL)	
13.	I.S 5517, 35 Mn6Mo3	API N80, SAE 4042
	(NON-ALLOY STEEL)	
14.	I.S.EQUIVALENT NOT	SAE 4130
	AVAILABLE (ALLOY STEEL)	

15.	I.S.EQUIVALENT NOT AVAILABLE (ALLOY STEEL)	SAE 4118 (Nearest)
16.	I.S. EQUIVALENT NOT AVAILABLE (ALLOY STEEL)	BS 3602 Pt 1500 Nb Microalloyed Steel
17.	I.S.EQUIVALENT NOT AVAILABLE (NON ALLOY STEEL)	BS 3059 Ptil Gr 440
18.	I.S. EQUIVALENT NOT AVAILABLE(NON-ALLOY STEEL)	SAE 1518
19.	I.S 4398, 103 Cr 2, (ALLOY STEEL)	SAE 52100

The above types of alloy and non-alloy steels billets, bars and rounds have been produced in India and/or are being imported from the subject countries. Further, the petitioners have claimed that the above types of alloy and non-alloy steels billets, bars and rounds are used for production of seamless tubes by the seamless tubes industry and can technically and commercially substitute each other. The petitioner has claimed that the anti-dumping duty is required to be imposed on the all the above types so as to ensure that the same is effective and is not circumvented by the importers.

3. **Country(ies) involved:** The countries involved in the present petition are Russia, People's Republic of China and Ukraine.
4. **Like Goods:** The petitioner has claimed that the subject goods produced by the domestic industry has characteristics closely resembling to the goods being imported from the subject countries. In fact, the petitioners have claimed that the goods produced by the domestic industry and imported from the subject countries have to conform to certain given technical specifications laid down by the consumers and the goods are in fact identical in nature. Goods produced and sold by the petitioners may be treated as like article to the goods being imported from subject countries within the meaning of the Rules.

5. **Dumping and Dumping Margin :**

- a. **Normal Value:** The petitioners have claimed normal value on the basis of the constructed cost of production of the subject goods in the subject countries. The petitioners have based the constructed value on the standard cost of production of the domestic industry.
 - b. **Export price:** The customs classification of the subject goods is not dedicated for the subject goods & therefore the import statistics compiled by DGCI&S have not been relied upon for determination of export price. The petitioner has claimed the export price on the basis of the prices reported by a secondary source which is the journal Steel Trade Intelligence. They have provided details of all the imports under the customs sub-headings under which the subject goods have been imported, which shows that there are many different types of grades imported under these sub-headings. It has further been claimed that the subject goods are primarily imported by seamless tube producers. The import transactions have thus been identified on the basis of the name of the importer appearing in these statistics. There is sufficient prima facie evidence with regard to export price of the subject goods from the subject countries.
 - c. There is sufficient prima facie evidence that the normal value of the product under consideration in the subject countries is significantly higher than the price at which it has been exported to India, indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.
6. **Injury & Causal Link :** Various economic indicators relating to domestic industry such as import volumes, market share, production, sales, market share, profit/loss etc. collectively and cumulatively indicate that the imports of the product under consideration caused material injury to the domestic industry.
7. **Initiation of Anti-Dumping Investigation :** The Designated Authority has, therefore, decided to initiate anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.
8. **Period of investigation :** The period of investigation for the purpose of present investigations is to be between 1st January, 1999 to 30th September, 1999.

9. **Submission of information** : The exporters in the subject countries and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to be Designated Authority – Ministry of Commerce, Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties, Udyog Bhawan, New Delhi-110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limits set out below.
10. **Time Limit**: Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.
11. **Inspection of public file** : In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

In case where an interested party refuses access to or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

